जिला अस्पताल में भरा पानी, डूबा रेलवे स्टेशन

लगातार हो रही बारिश ने जिले में मचाई तबाही, पुल-पुलियों के ऊपर से बहर रहा पानी

शहडोल, देशबन्धु। जिले में लगातार मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। जिला अस्पताल के सर्जिकल वार्डों में पानी भर जाने से मरीजों को अन्य वार्डों में शिफ्ट करना पड़ा। रेलवे स्टेशन भी जलमग्न हो गया है, जिससे यात्री परेशान हैं। खूंटा नदी जैतपुर के खपर पुल से तीन फीट ऊपर बह रही है, जिससे छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला भीतरी मार्ग बंद कर दिया गया है।

जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश पूरी व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। हर ओर पानी ही पानी और उससे होने वाली समस्याएं ही नजर आ रही हैं। कई नदी नाले उफान में हैं, तो कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अस्पताल हो या रेलवे स्टेशन सब इस बारिश के भेंट चढ़े हुए हैं। एक ओर अस्पताल के वार्डों में पानी भरा होने से मरीज परेशान हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर रेलवे स्टेशन पूरी तरह पानी में डूबा हुआ है। जिला अस्पताल के तीन वार्डों में पानी भर जाने से वार्ड के मरीज को दूसरे वार्डों में शिफ्ट किया गया है। बीती रात जिले में हो रही झमाझम बारिश की वजह से जिला अस्पताल के सर्जिकल मेल और फीमेल वार्ड में पानी भर जाने से मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। दो घंटे तक जवाबदार मौके से नदारत रहे।

लगातार बारिश से उमरिया जिले में जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई गांवों का शहर से सम्पर्क टूटा

उमरिया, देशबन्धु। जिले में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। आसमान से बरस रही आफत के चलते जिले की प्रमुख नदियां और नाले उफान पर हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में हालात बेहद खराब हो चुके हैं, जहां पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने लगा है, जिससे लोगों का आना-जाना पूरी तरह से ठप हो गया है।

बारिश का सबसे अधिक प्रभाव जनपद पाली, करकेली, नौरोजाबाद और मानपुर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। यहां निचले इलाकों में बसे गांवों में जलभराव की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों को घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो रहा है। वहीं, प्रशासन की ओर से संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है और राहत कार्यों के लिए टीमों को तैनात किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जिले की सोन, जोहिला, सहित सहायक नदियां अपने पूरे उफान पर हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों से

निकलने वाले छोटे पुलों पर पानी इस कदर भर गया है कि दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो चुकी है ओर गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है।स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश के समय यही हालात बनते हैं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया है।

इधर, जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बिना आवश्यकता के घरों से बाहर न निकलें और पुल-पुलियों के ऊपर से बहते पानी को पार करने का प्रयास न करें। आपदा प्रबंधन की टीम को सतर्क कर दिया गया है और सभी तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उमरिया जिले में बारिश ने आम जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, पानी और परिवहन की व्यवस्था चरमरा गई है।

सार-समाचार

उमरिया के मरदरी गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप, एक महिला की मौत, सात भर्ती

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के मरदरी गांव में उल्टी-दस्त का प्रकोप सामने आया है। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में एक महिला की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने 7 पीड़ितों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। 50 वर्षीय शांतिबाई प्रति मुनीम की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में रामकली, चन्द्रकली, सुलोचना, श्यामाबाई, मीनाबाई और दो अन्य ग्रामीण शामिल हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वी एस चंदेल के अनुसार, गांव में 8 सदस्यीय टीम तैनात की गई है। टीम डोर-टू-डोर सर्वे कर रही है। ग्रामीणों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है। उन्हें उल्टी-दस्त के लक्षण दिखने पर तुरंत स्वास्थ्य टीम या अस्पताल से संपर्क करने को कहा गया है।

मोहर्रम पर निकाले ताजिया मुस्लिम समाज ने मनाया शोक

ब्यौहारी, देशबन्धु। नगर परिषद के अंतर्गत मोहर्रम पर मुस्लिम समाज द्वारा ताजिया निकाली गई एवं मोहम्मद हुसैन की यादों से संबंधित अवशेषों को कर्बला शरीफ सूखा तिराहा तक ले जाया गया ताजिया को मस्जिद में रखा गया मुस्लिम समाज मोहर्रम को मोहम्मद हुसैन की याद में मनाया जाता है उनके बलिदान को याद किया जाता है जो 680 ईस्वी में दक्षिणी इराक के कर्बला जिले में मोहम्मद हुसैन यजीद की सेना से लड़ते हुए शहीद हो गए थे वह पैगंबर मोहम्मद के नवासे हैं उनके इस बलिदान को सिया सुन्नी दोनों मुसलमान मनाते हैं जहां सुन्नी मुसलमान शोक के रूप में मनाते हैं जुलूस निकालते हैं वहीं सिया मुसलमान इसको शहादत दिवस के रूप में मनाते हैं रोजा रखते हैं और अल्लाह की इबादत करते हैं यजीद की फौज से लड़ते हुए मोहम्मद हुसैन का पूरा परिवार शहीद हो गया था। ताजिया जुलूस में मुस्लिम समाज के सैकड़ो लोग शामिल हुए।

बारिश के मौसम में बढ़ा सर्पदंश का खतरा, अनूपपुर में सर्पमित्र दे रहे राहत

अनूपपुर, देशबन्धुं। बरसात का मौसम जहां एक ओर राहत लेकर आता है, वहीं दूसरी ओर यह कई तरह की चुनौतियां भी लेकर आता है। अनूपपुर जिले में इन दिनों विभिन्न प्रकार के सर्पों का निकलना आम बात हो गई है। घरों और उनके आसपास सर्पों की उपस्थिति की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। ऐसे समय में जिलेभर में सक्रिय स्वेच्छिक सर्पमित्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। ये सर्पमित्र बिना किसी सरकारी सहायता के लोगों की मदद के लिए हर समय तैयार रहते हैं। ये प्रशिक्षित सर्पमित्र बिना सर्प को नुकसान पहुंचाए सुरक्षित तरीके से पकड़ते हैं और उन्हें प्राकृतिक स्थानों पर छोड़ देते हैं। अनूपपुर जिले में सक्रिय प्रमुख सर्पमित्रों की सूची जिनमें शशिधर अग्रवाल वार्ड नं. 11 अनूपपुर 94258 89873, छोटेलाल यादव वार्ड नं. 11 अनूपपुर 90091 42848, मनोज यादव ग्राम मेडियारास 78048 93036, धर्मेन्द्र यादव ग्राम मेडियारास 74409 23525, नवीन महादिक ग्राम चचाई 70004 37824, सोनू प्रजापति रेस्क्यू कॉलोनी अमलाई 82518 98686, दुर्गेश महरा ग्राम पयारी नं. 1 फुनगा 93025 08603, आकाश यादव देवरी अमलाई 82510 86165, भोला प्रसाद मिंज जमुनाकलारी 99939 15198, द्वारिका प्रसाद सेन जैतहरी 88711 75286, देवराज कोल ठेंगरहा।

खतरे के निशान के करीब पहुंच जलस्तर, जोहिला बांध के चार गेट खोले गए, अलर्ट जारी

उमरिया, देशबन्धु। लगातार हो रही मूसलधार बारिश के कारण उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के अधीन संचालित जोहिला बांध का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रविवार को बांध के चार गेट खोल दिए गए, जिससे जल का तेज़ बहाव निचले क्षेत्रों की ओर होने लगा है।

गौरतलब है कि पहले सिर्फ दो गेट खोले गए थे, लेकिन बीते 24 घंटों में तेज़ बारिश के कारण जलस्तर में और वृद्धि होने से अब चार गेट खोलने का निर्णय लेना पड़ा। इस निर्णय का उद्देश्य बांध पर बढ़ते दबाव को कम करना और संरचना की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

बांध क्षेत्र में उमड़ी भीड़-जैसे ही गेट खोलने की सूचना फैली, आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग बांध का नजारा देखने पहुंच गए। जोहिला नदी में बढ़ते जल प्रवाह का दृश्य मनोहारी तो है, लेकिन प्रशासन ने लोगों को बांध क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है। संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा जल स्राव की गति और स्तर पर लगातार निगरानी की जा रही है। आपात स्थिति से निपटने के लिए बांध क्षेत्र में कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए बांध के आसपास बैरिकेड्स लगवाए हैं और पुलिस बल की भी तैनाती की गई है।

प्रभावित क्षेत्रों में अलर्ट जारी-बांध से छोड़े गए पानी का असर निचले इलाकों में दिखने लगा है, जिससे कुछ क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसको देखते हुए जिला प्रशासन ने निचले इलाकों के ग्रामीणों को सतर्क रहने की चेतावनी जारी की है। साथ ही, ग्राम सचिव, पटवारी और पंचायत प्रतिनिधियों को किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

24 घंटे में 32.8 मिमी वर्षा-अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में बीते 24 घंटों में 32.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक वर्षा पाली (58.2 मिमी) और नौरोजाबाद (53.6 मिमी) में हुई है। अन्य क्षेत्रों में बांधवगढ़ में 28.6 मिमी, मानपुर में 24.5 मिमी, चंदिया में 22.8 मिमी, करकेली में 28.9 मिमी और बिलासपुर में 13.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

अब तक कुल वर्षा 366.8 मिमी-1 जून से 5 जुलाई 2025 तक जिले में कुल 366.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। क्षेत्रवार आंकड़े इस प्रकार हैं बांधवगढ़ 340.4 मिमी,मानपुर 314.6 मिमी,पाली 307.6 मिमी,नौरोजाबाद 348.8 मिमी,चंदिया 487 मिमी,करकेली 300.7 मिमी,बिलासपुर 467.4 मिमी

पिछले वर्ष की तुलना में वर्षा कम-हालांकि वर्तमान वर्षा प्रभावित कर रही है, लेकिन गत वर्ष 724.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी, जो इस वर्ष की तुलना में लगभग दोगुनी है। बीते वर्ष बांधवगढ़ में मात्र 165.2 मिमी, मानपुर में 113.7 मिमी, पाली में 104 मिमी, नौरोजाबाद में 117.6 मिमी, चंदिया में 76.8 मिमी, करकेली में 79.2 मिमी और बिलासपुर में 68 मिमी वर्षा हुई थी।

प्रशासन की अपील-प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे किसी भी जलभराव या नदी किनारे जाने से बचें।

7वीं जिला स्तरीय जु-जित्सु मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

पन्ना, देशबन्धु। फिटनेस ट्रेनिंग एकेडमी पन्ना मार्शल आर्ट क्लासेस एवं जिला जु-जित्सु संघ पन्ना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 7वीं जिला स्तरीय जु-जित्सु मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 4 से 5 जुलाई 2025 तक चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल, पन्ना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि श्री नईम खान, संचालक चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल पन्ना रहे, जबकि विशेष अतिथि पहलवान सिंह एवं जिला जु-जित्सु संघ पन्ना के अध्यक्ष श्री लॉरेंस एटेस मंचासीन रहे। प्रतियोगिता में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों में जिले भर से दर्जनों खिलाड़ियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। जिला संघ के सचिव एवं मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई इरफान खान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में चयनित विजेता खिलाड़ी आगामी 11वीं राज्य स्तरीय जु-जित्सु प्रतियोगिता में पन्ना जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिसका आयोजन 18 से 20 जुलाई 2025 को भोपाल में होगा। प्रतियोगिता का संचालन रेफरी वा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सेंसाई हर्षिता विश्वकर्मा एवं सेम्पाई पीयूष विश्वकर्मा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विराज शर्मा, श्रावणी बिरला, अन्वेश दुबे, सत्या अहिरवार, आयुष शर्मा, नव्या साहू आदि शामिल रहे।

भारी बारिश मनमानी से जगह-जगह भरा पानी, ग्रामीण परेशान

उमरिया, देशबन्धु। जिले में जगह जगह सहित में भारी जल भराव की तस्वीरें देखी जा रही कहीं न कही गुणवत्ता हीन कार्य के कारण हों रहीं हैं चाहे ग्राम पंचायतों के कार्य हो या फिर अन्य विभाग के लेकिन हों भी क्यों न क्योंकि जिम्मेदारों को इससे सरोकार नहीं कारण कोई शिकायत भी करें तो उसमें अम्ल नहीं होता खबरों में दिखें तो नजर अंदाज कर दिया जाता है।

अगर जिले के प्रमुख अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करना भी चाहे तो कार्यवाही नाम मात्र की यदा कदा फिर देखेगा कौन उसी का नतीजा पाली विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत अमिलीहा से ग्राम पंचायत बडबाही पहुंच मार्ग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क

योजना के तहत कराया गया लेकिन उन मुलभुत व्यवस्थाओं को ध्यान न देकर ठेकेदार एवं विभाग के जिम्मेदारों द्वारा कोताही बरती गई जों प्रमुख हैं जैसे जिन गांव गांव के रिहायशी इलाके हैं सड़क तो बनी लेकिन पानी निकासी को नजर अंदाज कर आगे बढ़ाते गए अब बारिश में अलम यह है कि ग्रामीणों के घरों में पानी भर रहा है बडबाही निवासी भाजपा नेता निलेन्द्र शुक्ला ने ठेकेदार एवं विभाग के ऊपर आरोप लगाया है कि सड़क गुणवत्ता हीन तो बनाई हीं गई साथ में जिम्मेदारों ने जब स्टीमेट बनाया तो गांव के अन्दर नाली निर्माण क्यों नहीं किया आज घरों में पानी भराव हो रहा है हमारे खानें पिने सहित अन्य सामग्री पानी में रखाव हों गई है साथ ही पानी घरों में घुस जाने से जीवन अस्त व्यस्त हो गया हं। पाली अनुविभागीय अधिकारी अंबिकेश प्रताप सिंह ने ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच तत्परता के साथ समस्या को हल करने डंटे हुए हैं।

डॉ. श्यामा प्रसाद ने अपने जीवन को समाज और पार्टी के लिए समर्पित किया

उमरिया, देशबन्धु। आज 6 जुलाई को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा एक विशेष कार्यक्रम रखा गया, जिसमें भाजपा के द्वारा स्थानीय जिला चिकित्सालय चौक में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया।

इसके बाद भाजपा कार्यालय भरौली में आयोजित कार्यक्रम में सबसे पहले भाजपा नेताओ के द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद आगे का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मिथिलेश प्यासी ने अपने

विचार रखें। उन्होंने बताया कि 6 जुलाई 1901 को भारत माता की सपूत अद्भुत प्रतिभा के धनी पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म दिवस है। उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की नीतियों का विरोध करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का नारा बुलंद किया। इसके अलावा उन्होंने उस समय पर बिना वीजा और परमिट के कश्मीर में प्रवेश करके सरकार की नीतियों का खुला विरोध किया था। इसके लिए उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और जेल में ही उनकी रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई।

भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने तत्कालीन सरकार की तुष्टिकरण नीतियों के खिलाफ जनसंघ की स्थापना की और पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। डॉ श्यामा प्रसाद ने अपने जीवन के 52 साल देश, समाज और पार्टी के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने लगातार विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी को आगे बढ़ाया।

डॉ. मुखर्जी का 931 बूथों पर किया गया स्मरण

पन्ना, देशबन्धु। भाजपा के पितृ पुरुष, जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर 6 जुलाई रविवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिले के 19 मंडलों के 931 बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई। साथ ही संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधारोपण भी किया गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दुर्गेश शिवहरे ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री बृजेंद्र मिश्रा के द्वारा जिले के अमानगंज मंडल में भारतीय जन संघ के संस्थापक डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पौधारोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी के विचार हमें राष्ट्र सेवा की भावना और संगठन निर्माण के संकल्प की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर मुखर्जी ने जनसंघ के रूप में जो बीज लगाया था,वह आज भाजपा के रूप में फलदार वृक्ष बन गया है,जिसकी छाया में भाजपा कार्यकर्ता जन सेवा और राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं।

नवनिर्मित तीसरी लाइन पर नहीं दौड़ी रेल, महाप्रबंधक का निरीक्षण असलियत से कोसों दूर!

उमरिया,देशबन्धु। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन के कटनी रेल खंड का निरीक्षण विगत दिनों महाप्रबंधक के द्वारा किया गया , जो कि अनूपपुर से कटनी सेक्शन के बीच संपन्न हुआ। यह निरीक्षण वास्तविकताओं से काफी हद तक दूर खानापूर्ति तक सिमट कर रह गया । दर असल हर एक को ऊल्लू बनाने वाले इन अधिकारियों को भी उनके मातहतों ने भी वही व्यवहार अपनाकर अपना काम बना लिया।

उन्होंने भी वही किया , जो अपने वरिष्ठों से वे देखते सुनते आ रहें हैं। दर असल जब महाप्रबंधक अपनी रेल गाड़ी लेकर आये थे तो उन्हें रेलवे के हर जोखिम प्वाइंट तक और नये स्टेशनों तक और नव निमित्त तीसरी लाईन का भी निरीक्षण करना चाहिए था। हर स्थल तक उनकी पहुँच आसाान थी और निरीक्षण के दौरान उन्हें पहुचना चाहिए था। लेकिन हुआ

यह की रेल महाप्रबंधक वही पहुंचे जहां उनका मातहत विभाग ले जाना चाहता था। जहाँ पर, जिन स्थानों का जिन रेलवे स्टेशनों तक, जिन कॉलोनियों तक , जिन पुलों तक , जिन यार्डों तक चाहा महाप्रबंधक को ले कर गये और उन का निरीक्षण किया गया । महाप्रबंधक वही गये जिन स्थलों का निरीक्षण पिछले कई दशकों से होता आ रहा है , वही का निरीक्षण कराया गया ,जहाँ पर पहले से ही सब कुछ बेहतर है।

इस बार भी वहीं सब पुराने निरीक्षण स्थलों को दोहराया गया। जन चर्चा में आया था की यह महाप्रबंधक बिषय विशेषज्ञ के जानकर, कर्तव्य निष्ठ, तेजस्वी स्वभाव से परिपूर्ण, ईमानदार छवि के धनी और समय के पाबंद है, लेकिन जिस तरह से अधिकारियों ने उन्हें गुमराह कर चालाकी से असलियत में पर्दा डाला उससे उनके कार्य शैली पर तीखे सवाल खड़े कर गया। नव निर्मित तीसरी लाइन का महाप्रबंधक ने निरीक्षण करना उचित नहीं समझा, जबकि आए दिन तीसरी लाइन पर ट्रेन ड्राइवर को झटके लग रहे है, तीसरी लाइन की गुणवत्ता को लेकर पहले भी सवाल सामने आये थे और आज भी नयी बनी तीसरी लाइन पर मालगाडिया धीमे गति से चलाने का क्रासन जारी किया जाता है। अगर तीसरी रेलवे लाइन पर महाप्रबंधक की भी गाड़ी दौडती तो पता चलता की गुणवत्ता के पैमाने पर यह लाइन कितनी खरी साबित होती है अगर अभी भी सुरक्षा मानकों के आधार भूत कमी है तो समय रहते उसकी भरपाई की जा सकतीं थी। बरसात के पूर्व उसमें सुधार हो जाता , जो कमियां छूट गई थी वह भी सही होने का कार्य होता।

जोन के ओहदे वर महाप्रबंधक को ने तीसरी लाईन का स्वाद नहीं चखने के पीछे भी मातहत अधिकारियों की भूमिका बतायी जाती है। विचारणीय प्रश्न यह है की आखिर कार मातहत अधिकारियों की राय मशविरा के साथ कभी अपने स्व विवेक से भी निर्णय लेगे की मातहतों के पिछलग्गू बन चापलूसों के मकड़जाल में ऐसे ही फंसे रहेगें ?